Super Revision Sheet for 02.03.26

Answer Key

व्याकरण

1. संज्ञा,सर्वनाम,विशेषण,क्रिया और क्रियाविशेषण पदबंध की पहचान वाक्य में कैसे होती है ?उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए |

वाक्य में प्रयुक्त पदबंध में मुख्य पद (प्रधान शब्द) या शीर्ष पद संज्ञा हो,यह संज्ञा पदबंध की पहचान है|

मेहनत से पढ़ने वाला छात्र सफल होता है।

वाक्य में प्रयुक्त पदबंध में मुख्य पद या शीर्ष पद सर्वनाम हो ,यह सर्वनाम पदबंध की पहचान है |

सदा सच बोलने आप आज झूठ बोल रहे हो |

जो पदबंध संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने का कार्य करे,विशेषण पदबंध कहलाता है |

पास में एक **सुंदर और शक्तिशाली** युवक रहा करता था |

क्रियाविशेषण पदबंध वाक्य में क्रिया की विशेषता बताने का कार्य करता है |

वह **इधर-उधर देखता हुआ** चल रहा था।

वाक्य में क्रिया का काम करने वाले पद समूह क्रिया पदबंध की पहचान है |

लोग टोलियाँ बना -बनाकर **घूम रहे थे|**

2. सरल,संयुक्त और मिश्र वाक्य की पहचान क्या है ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए |

सरल वाक्य - एक उद्देश्य,एक विधेय और एक मुख्य क्रिया

वह घर जाकर सो गया |

संयुक्त वाक्य - दो स्वतंत्र वाक्य योजक शब्द या समुच्चयबोधक अव्यय से जुड़े हो |

वह घर गया और वह सो गया |

मिश्र वाक्य - दो या दो से अधिक उपवाक्य एक दूसरे पर आश्रित हों |

वह जैसे ही घर गया वैसे ही सो गया |

3. संयुक्त वाक्य में समुच्चयबोधक अव्यय की भूमिका क्या है ?उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए |

समुच्चयबोधक अव्यय दो स्वतंत्र वाक्यों को जोड़कर उसे संयुक्त वाक्य बनाता है |

जैसे - स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेज़ सरकार के विरुद्ध आवाज़ उठाई इसलिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया |

4. मिश्र वाक्य को संयुक्त वाक्य में कैसे रूपांतरित किया जाता है ?उदाहरण सहित समझाइए |

मिश्र वाक्य में एक दूसरे पर आश्रित उपवाक्य को स्वतंत्र वाक्यों में बदल कर योजक शब्दों से जोड़ा जाता है |

जैसे- जैसे ही सुबह हुई वैसे ही चिड़िया चहचहाने लगी |(मिश्र वाक्य)

सुबह हुई और चिड़िया चहचहाने लगी |(संयुक्त वाक्य)

5. किस समास में पूर्व पद प्रधान होता है और किस समास में उत्तर पद प्रधान होता है ?

पूर्वपद प्रधान -अव्ययीभाव समास ,उत्तरपद प्रधान - तत्पुरुष

6. किस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं और किस समास में एक भी पद प्रधान नहीं होते ?

दोनों पद प्रधान - द्वंद्व समास , दोनों में से कोई पद प्रधान नहीं -बहुव्रीहि समास

AYTAN

7. अव्ययीभाव,तत्पुरुष,कर्मधारय,द्विगु,द्वंद्व और बहुव्रीहि समास की पहचान और विशेषता उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए |

अव्ययीभाव समास - पहला पद अव्यय और प्रधान होता है |

यथाशक्ति - शक्ति के अनुसार

तत्पुरुष समास - कारक से जुड़ा ,दूसरा पद प्रधान

विद्यालय -विद्या ले लिए आलय

कर्मधारय समास - पहला पद विशेषण और उपमेय, दूसरा पद विशेष्य तथा उपमान

नीलकमल - नीला है जो कमल

द्विगु समास - पहला पद संख्यावाचक विशेषण और विग्रह करने पर समूह या समाहार

नवरात्रि -नव रात्रियों का समाहार

द्वंद्व समास - दो विरोधी शब्द योजक चिन्ह से जुड़े होते हैं |पूर्व और उत्तर दोनों पद प्रधान होते हैं |

बहुव्रीहि समास - पूर्व और उत्तर दोनों में से कोई पद प्रधान नहीं,दोनों मिलकर तीसरे की ओर संकेत

गजानन - गज जैसे आनन हैं जिसके अथवा गज जैसे आननों वाला (गणेश) - बहुव्रीहि समास

AAYTAN

8. निम्नलिखित समस्तपदों का समास विग्रह कीजिए -

पीतांबर - पीत है जो अंबर - कर्मधारय समास

पीत है अंबर जिसके (कृष्ण) - बहुव्रीहि समास

गिरिधर - गिरी को धारण किया है जिसने या गिरी को धारण करने वाला (कृष्ण)- बहुव्रीहि समास

बेवक्त - बिना वक्त के -अव्ययीभाव समास

सतसई - सात सौ दोहे - द्विगु समास

अष्टाध्यायी - आठ अध्यायों का समाहार - द्विगु समास

सज्जन - सत है जो जन - कर्मधारय समास

सप्ताह - सात अहों(दिनों) का समाहार - द्विगु समास ,

शताब्दी - सौ सालों का समाहार -द्विगु समास

शिल्पकार - शिल्प को बनाने वाला -तत्पुरुष समास

तुलसीकृत - तुलसी के द्वारा कृत - तत्पुरुष समास

दशानन - दस हैं जिसके आनन अथवा दस आननों वाला (रावण) -बहुव्रीहि समास

आत्मगौरव - आत्म का गौरव - तत्पुरुष समास

महात्मा - महान है जो आत्मा - कर्मधारय समास

महाविभूति - महान है जो विभूति - कर्मधारय समास

पंचानन - पाँच हैं जिसके आनन (हनुमान) बहुव्रीहि समास

दुःख रात्रि - दुःख की रात्रि - तत्पुरुष समास

मृत्युंजय - मृत्यु को जीता है जिसने (शिव) बहुव्रीहि समास

धूप-बत्ती - धूप और बत्ती - द्वंद्व समास

मृगनयन - मृग के समान नयन - कर्मधारय समास

संसार सागर - सागर रुपी संसार - कर्मधारय समास

AAYTAN

9. महत्त्वपूर्ण मुहावरे -इससे संबंधित प्रश्न इस तरह पूछे जा सकते हैं -

मुहावरों का अर्थ ,अर्थ से जुड़ा मुहावरा ,वाक्य प्रयोग,रिक्त स्थान की पूर्ति ,वाक्य से मुहावरा पहचानकर नया वाक्य प्रयोग,दो मुहावरों में अंतर

1. तीर मारना- बड़ा काम करना या बड़ी सफलता पाना

2. आस्तीन का साँप- कपटी मित्र

3. कलई खुलना - रहस्य प्रकट होना

4. काम तमाम करना - जान से मार देना

5. आग बबूला होना - अत्यधिक क्रोधित होना

6. ज़हर लगना - किसी बात का बहुत बुरा लगना

7. ऐरा गैरा नत्थू खैरा - मामूली व्यक्ति समझना

8. आटे दाल का भाव मालूम होना - कठिनाई का सामना करना

9. तिल का ताड बनाना - छोटी -सी बात को बड़ा कर देना

10. जिगर के टुकड़े - टुकड़े होना- दिल पर भारी आघात लगना ,बहुत दुखी होना

11. मंत्र न लगना - उपाय काम न करना

12. एक ही राग अलापना - एक ही बात बार-बार दोहराना

13. नामों निशान मिटाना - सब कुछ नष्ट कर देना

14. पापड़ बेलना - कठिन काम करना

15. आँखों में धूल झोंकना - धोखा देना

16. प्राण सूखना - डर लगना

17. दूध की मक्खी - बेकार वस्तु समझना

18. बाट जोहना - राह देखना

19. ज़मीन पर पाँव न रखना - बहुत खुश होना ,घमंड आ जाना(वाक्य के अनुसार)

20. घाव पर नमक छिडकना - दुखी को और दुखी करना

AAYTAN